7. निम्नलिखित सूत्रों में से किन्हीं **दो** की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :

(i) द्वन्द्वे धिः (ii) द्विगुरेकवचनम्

(iii) शेषो बहुव्रीहि (iv) कर्तृकरणे कृता बहुलम्

8. निम्नांकित समस्त पदों में से किन्हीं **दो** की ससूत्र सिद्धि कीजिए :

(i) शंकुलाखण्डः (ii) भूतबलिः

(iii) राजपुरुषः (iv) पंचगंगम्

9. 'शिवराजविजयम्' के प्रथम निश्वास के आधार पर योगिराज का चरित्र-चित्रण कीजिए।

खण्ड—स **2×14=28**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का है।

10. 'मंत्री शुकनास द्वारा दिए गए उपदेशों की वर्तमान संदर्भों में प्रासंगिकता' विषय पर एक विस्तृत आलेख लिखिए।

11. '''शिवराजविजय' भाषा तथा भाव दोनों ही दृष्टि से उत्तम कोटि का काव्य कहा जा सकता है।'' इस कथन की समीक्षा कीजिए।

12. समानाधिकरण एवं व्यधिकरण पदों के अर्थ को स्पष्ट करते हुए उनके उदाहरणों को प्रदर्शित कीजिए।

13. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर संस्कृत भाषा में निबन्ध लिखिए :

(i) अहिंसा परमोधर्मः

(ii) सत्सङ्गतिः

(iii) विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्।

SA–04

December – Examination 2022

B.A. (Part II) Examination

SANSKRIT

(Gadya, Samas Prakaran Tatha Nibandh)

गद्य, समास प्रकरण तथा निबन्ध

Paper : SA-04

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **70***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **7×2=14**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) 'शिवराजविजयः' नामक उपन्यास कितने विरामों में विभक्त है ? प्रत्येक विराम में कितने निश्वास हैं ?

(ii) ब्रह्मचारी गुरु के शिष्यों के नाम लिखिए।

(iii) सोमनाथ मंदिर का विध्वंस किसने किया था ?

(iv) शुकनासोपदेश किसने किसको दिया ?

(v) संस्कृत गद्य का जीवित है ..... ।

(vi) तत्पुरुष समास के दो भेदों का नामोल्लेख कीजिए।

(vii) 'उपसर्जन संज्ञा' विधायक सूत्र लिखिए।

खण्ड—ब **4×7=28**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए :

(अ) तस्यैव च कश्चित् क्रीतदासः कुतुबुद्दीननामा प्रथम भारत सम्राट् संजातः। तमारभ्याद्यावधि राक्षसा एव राज्यमकार्षुः। दानवाः एव च दीनानदीदलन्। अभूत केवलम् अकबरशाह नामा यद्यपि गूढ़ शत्रु-भारतवर्षस्य तथापि शान्तिप्रियो विद्वतप्रियश्च अस्यैव प्रपौत्रो मूर्तिमदिव कलियुगः गृहीत विग्रह इव चाधर्मः, आलमगीरोपाधिधारी अवरंगजीवः सम्प्रति दिल्लीवल्लभतां कलंकयति। आयैव पताका-केकयेषु, मत्स्येषु, मगधेषु अंगेषु, बंगेषु, कलिंगेषु च दोधूयन्ते। केवलं दक्षिणदेशेऽधुनाप्यस्य परिपूर्णो नाधिकारः संवृत्तः।

अथवा

(ब) महाराष्ट्रदेशरत्नम् यवनशोणितपिपासाऽऽकुलकृपाणः वीरता-सीमन्तिनी-सीमन्त-सुन्दर-सान्द्र-सिन्दूर-दानदेदीप्यमान दोर्दण्डः, मुकुटमणिर्महाराष्ट्राणाम्, भूषणं भटानाम्, निधिर्नीतिनाम्, कुलभवनं कौशलनाम् पारावारः,

परमोत्साहानाम्, कश्चन् प्रातः स्मरणीयः, स्वधर्माग्रह, ग्रह ग्रहिलः, शिव इव धृतावतारः शिववीरश्चास्मिन् पुण्यनगरान्नेदीयस्येव सिंह दुर्गे ससेनो निवसति।

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** गद्यांश की सप्रसंग हिन्दी भाषा में व्याख्या कीजिए :

(अ) गुरुवचनममलमपि सलिलमिव महदुपजनयति श्रवणस्थितं शूलभभव्यस्य, इतरस्य तु करिण इव शंखाभरणमाननशोभा-समुद्यमधिकतरमुपजनयति। प्रशमहेतुवयः परिणाम इव पलितरूपेण शिरसिजजालममलीकुर्वन् गुरुरूपेण तदेव परिणमयति। अयमेव चानास्वादितविषयरसस्य ते काल उपदेशस्य। कुसुमप्रहारजर्जरिते हि हृदि जलमिव गलत्युपदिष्टम्।

अथवा

(ब) तृष्णाविषमूर्च्छिताः कनकमयमिव सर्वं पश्यन्ति, इषव इव पानवर्धितं तक्षैण्याः परप्रेरिता विनाशयन्ति, अकालकुसुमप्रसवा इव मनोहरतयोऽपि लोकविनाशहेतवः, श्मशानाग्नथ इवातिरौद्रभूतय। श्रूयमाणा अपि प्रेतपटहा इवौद्वेजयन्ति, चिन्त्यमाना अपि महापातकाध्यवसाया इवोपद्रवमुपजयन्ति, तदवास्थाश्च व्यसनशतसंख्यतामुपगता वल्मीकतृणाग्रावस्थिता जलविन्दव इव पतितमप्यात्मनं नावगच्छन्ति।

4. शुकनासोपदेश में वर्णित लक्ष्मी के स्वरूप को विवेचित कीजिए।

5. 'वाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्' सूक्ति की युक्तियुक्त समीक्षा कीजिए।

6. 'शिवराजविजयः' नामक उपन्यास के प्रथम निश्वास का सार अपने शब्दों में दीजिए।